₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 83; 05/02/2019

बिषय सूची

अमीर मेहणु त कंगाल	1
विनोदे छोटा कोट	2
भरोसाइ प्रार्थना	3
ई में टोप ना भो	4
लखे टके बोक	4

तुसी सोबी जुकारु के बधे।

तुबारि टीम तुसी सोबी जे अशुश त खुशी जुए भरो नयी साले शुभ कामना कती।

धाणि त **तसे जुएली** केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस पढ़ान्ते ।

अमीर मेहणु त यक कंगाल

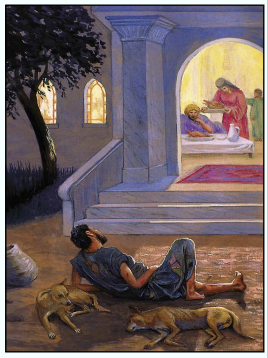

यक अमीर मेहणु थिआ, जे खरे खरे झिणे डबताथ। रोज सुख विलास जुए खाई पी अपु जिन्देगी गुजारताथ। तठि यक गोपाल नउए कंगाल बि भुन्ताथ, जेसे जिस्म पुठ सुआ घा थिए। किछ मेहणु तेस कगांल टाइ कइ अमीर मेहणु दुआ पुठ छड़ दी छतेथ। से कगांल सोचताथ कि अमीर मेहणु अपु बचओ जुठि रोठि मेन्धे दियाल। तोउं अउं अमीर मेहणु जुठी रौठि बइ अपु पेट भरता। से बचरा अतु लचार थिआ कि कुतर बि एई कइ तेसे घा चाटतेथ।

तोउं भु ई कि से कंगाल मर गा त स्वर्गेदूती से टाई कइ स्वर्ग पुजाई छड़ा, तोउं से अमीर बि मर गा। से नरक अन्तर पुज गा। तोउं तेन पाताल केआं दुखी भोई कइ हेरु त दूर स्वर्ग अन्तर से कगांल अराम जोई बिशो थिआ। तोउं तेन अमीर मेहणु स्वर्ग जे हक दी कइ बोलु, 'ओ बोउआ, मोउं

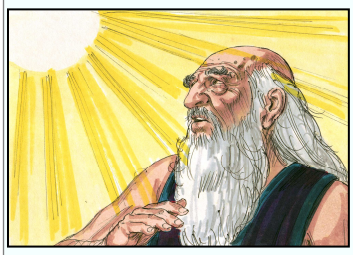

पुठ दाह् कर कइ गोपाल में भेएड़ लंघाई छड़। तोउं से अपु अंगुल पॉणि बइ अलियेर कइ में जिभुड़ ठनेहेरियाल, किस कि अउं इस नरक अन्तर तड़फण लगो असा। पर परमपिता परमेश्वरे बोलु, 'ओ कोया, याद कर कि तु अपु जिन्देगी अन्तर खरी-खरी चीजे घिन गो असा'। तिहांणी गोपाल अपु जिन्दगी अन्तर बुरी-बुरी चीजे मेओ थी। पर अभेईं से इठि शान्ति जुए बिशो असा त तु तड़फण लगो असा। इ: सोब बोक छड़ दे, किस कि तें त हें बुछ यक मोटी ढांक असी कि जे इठिआ अ पार त भेएड़ घेण चहंता, से ना घेई सकता। ना कोई तठिआ हें भेडए एई सकता।'

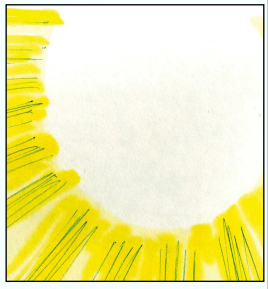

त तेन बोलु, 'त ए बोउआ! अउं तोउ जे हथ जोड़ि कइ बिनती कता कि तु अस में बोउए गी लंघा। किस कि में पंज भाई होरे असे; ए तठि घेई कइ में भेई जे चेतावनी दियाल। ना त इ न भुओल कि से बि सोब इस नरक अन्तर एई घियेल।' परमेश्वरे तस जे बोलु, 'तेन्हि केईं में वचन असु, से तेन्हि सुणे।' ...

(इस कथेई बचो हेस्सा पेज -2 अन्तर असी। छने दोकी पेज पुठ हेरे।)

विनोदे छोटा कोट

विनोद कें यक छोट कोट थिआ,
जे पुराणा भोई गो थिआ।
तेन से बसकेटु ई बणाई। जेस लाई कइ से जाठ जे गा।
विनोद कें यक छोट कोट थिआ, जे पुराड़ा भोई गो थिआ।
तोउं तेन तेसे फेतुई बणाई।
तेस लाई कइ से अपु भेऊए कोईए बिहा नचा।
विनोद के थी यक बनेन।
से पुराणी भोई कइ चीरी गई।
तेन तेसे यक गड़बना बणा।
तेन मेहणु जोई मी कइ घीते ले।

विनोद कें थिया यक गड़बना।
जे पुराणा भोई कइ चिरी गा।
तोउं तेन तेसे टाई बणाई।
तेस लाई कइ से शहेर गा त अपु भेण जोई मिया।
विनोदे से टाई बि पुराणि भोई कइ चीरी गई।
विनोदे तेसे यक टली बणाई।
तोउं तेन पी गलास अन्तर चा।
विनोदे से रुमाल पुराणा भुआ त से बि चिरी गा।
तोउं तेन तेसे यक बटण बणाऊ।
बटण तेन बनेन जोई लाऊ।
विनोदे से मेठुड़ बटण यक रोज गड़ु।
तोउं तेस के कुछ ना बचु।
तोउं विनोदे तेस बठ लिखी यक कविता।
जेस तुस पढ़ण लगो असे जी
जेथ अन्तर लुखो असु
तुस केसे टना टेपे कियां कुछ कमाल कराई सकते।

'अमीर मेहणु त यक कंगाल' कथेई बचो हेस्सा।...

त अमीर मेहणु बोलु, 'ना बोउआ, अगर कोई मरो तेन्हि बिचा तेन्के भेएड़ घिएल त से अपु मन बदलते त अपु पापे कम करण छड़ देन्ते।' त परमेश्वरे तस जे बोलु, 'जिखेईं से में वचन ना सुणते त मरो तेन्हि बिचा कोउं घिएल त से कि खाक तेन्के सुणते ना।'

तोउं त मेहणुआ! इस धरती पुठ जीन्ते टेम सोच विचार कइ जीण दे। अपु रोभ त घमण्ड जुए ना बल्कि अपफ घटाई कइ, होरी ख्याल रख कइ जीण दे।

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

भरोसाइ प्रार्थना

ए परमेश्वरा, में भरोसा तोउ पुठ असा, मोउं कदि लज्जीण ना एईएल,
तु अपु धर्मी भुणे बझाई जोई मोउं छुड़काण दे!
अपु कन में कना जे लाई कइ मोउं झठ छुड़काण दे!
किस कि तु में लिए फाट त में गढ़ भो।
तोउं त अपु नउए मुताविक मोउं चलाण दिए, त में अगर अगर गा।
जे जाल तेन्हि मोउं जे बछाओ असा तेस अन्तरा तु मोउं छुड़काण दे, किस कि तुईंए में पक्का गढ़ भो।
अउं अपु आत्मा तें हथ अन्तर दी छता, ए परमेश्वरा, ए सच्च बोलुणे बाड़े ईश्वरा,
तेईं अउं मुले नी कइ अजाद कियो असा।
जे बेकार चीजी पुठ मन लांते, तेन्हि हेर अउं नफरत कता, पर में भरोसा परमेश्वरा, तोउ पुठ असा।
अउं तें दाह दयाई बेलि मस्त त खुश असा, किस कि तेईं में ईं दुखी पुठ नजर दुतो असी,
में कष्टे टेम तेईं में ख्याल रखा।
होर तेईं अउं दुश्मणी के हथ लगण ना दता, तेईं में खुर खुले जगाई रखो असे।
ए परमेश्वरा, मोउं पुठ दाह दया कर किस कि अउं संकट अन्तर असा,
में टीर बल्कि में जान त जिसम सोब दुखे बझई जोई गुहड़ी घेन्ते।
में जिन्दगी दुखे बझई जोई त में उमर टड़ते टड़ते घट गो असी,
में तागत में अधर्मे बझई जोई घेन्ती रेहो असी, त में हलोटे गुहड़ी गए।
अपु सोब दुश्मणी के बझई जोई में भेयाड़ी अन्तर में बुराई भुन्ति। अउं अपु जान-पिछाण बाड़ी के लिए डरे बझह बण गो असा। जे मोउं बत हेरते से मोउं केआं नियोक घेन्ते।
अउं मरो तेन्के ईं मेहणु के मन केआं बिस्री गा, अउं टूटो भाणे ईं भोई गो असा।
मेईं सुआ जेईं के मुँहे बइ अपु बेज्जती शुणी, चोहरो कना डरे डर असा!
जपल तेन्हि में खिलाफ अपफ बुच सलाह मशवरा किया, तपल में प्राण नेणे उपया किया।
पर ए परमेश्वरा, मेईं त तोउए पुठ भरोसा रखो असा। मेईं बोलु, "तु में परमेश्वर भो।"
में दन धयड़ी तें हथ अन्तर असी। तु मोउं में दुश्मण त मोउं भुंजाणे बाड़ी के हथ केआं छुड़काण दे।
अपु नौखर पुठ अपु मुँहा रोशनी चमकाण दे, अपु कृपाई बइ में रक्षा कर।
ए परमेश्वरा, मोउं लज्जिण ना दे किस कि मेईं तोउ जे हक दुतो असी।
दुष्ट मेहणु लज्जिण एईएल त से मृत्युलोक अन्तर चुपचप बिशो रिहेल।
जे घमण्ड त बुराई बेलि धर्मी मेहणु बेज्जती कते, तेन्के झूठ बोलुणे बाड़े मुँह बन्न करी घेन्ते।
आहा, तें भलाई कति बोडी असी जे तेईं अपु डरणे बाड़ी जे रखो असी त
अपु शरण अओ तेन्के लिए मेहणु के अगर भीं कढ़ो बि असी।

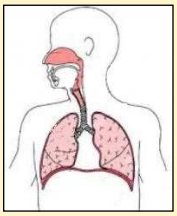

तुसी सोबी पांगेई मेहणु जे अस यक बोक बोते कि तुं छने किए तुस बिड़डी सरगट छड़ दिए। हेरे पुरे देश अन्तर आधे केआं जादे मेहणु त केनसरे बिमारी बेलि मरण लगो असे। हें पांगेई मेहणु त बिड़डी त सरगट पीणे जरुरते ना पड़ुण चाहिए किस कि अस जिखेईं बि रोटि-शाग बणान्ते त जे बि तू भुतां से सोब हें अन्तर घेन्ता, जेसे बेलि कि असी सांसे कमी भुन्ती, किस कि हें इठि त ओक्सीजने कमी भुन्ती। जे बोले कि असी अपु पुरा शेरीर सुसर रखण चाहिए। न त हें भाश दोणि खराब भोई घेंता। अस ना चहान्ते कि तुसी जोई कुछ ई भोल। तुस सोब जे सुधरीं दिए बा। तुं छनेआरे कर कइ।

ई में टोप ना भो

ई में टोप ना भो
ई में टोप ना भो
ए मेईं चोरो असी
ए मेईं केसेरी चोरो
असी
जिखेईं मेईं से चोरो थी तिखेईं से ऊंघो थी
मोउं खयाल जोई से सुआ टेम तकर मोठे खेड़ीए
अगर से खड़ी भी घिएल त
तोउं बी से तेस गड़णे पता ना लगता।
अगर तेस टोप गड़णे पता बी लगीएल त
त तेस ई बी पता न चलता कि
तेसे टोप मेईं चोरो असा

अगर तेन मोउं बठ शक बी ना केरीन्ता
तेस ई बी पता ना भोल कि अउं को जे गो असा
पर अउं तेस पका बतान्ती कि अउं को जे गओ असी
अउं ते जे गो असी जे घणे घणे पुटे असे
जे सुआ घणे घणे असे

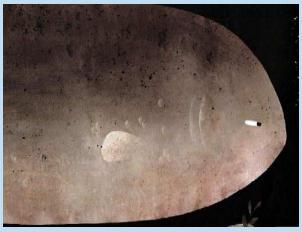

तेठि मोउं कोई हेर न बटिएल
तेठि मोउं कोई जे टाइ न बटिएल।
तिहांणी केनी अउं काओरा नेई
पर तेन बोलु कि से केसे जे ना ती
कि अउं केस कना जे गो असी
तोउं त मोउं तेसे कोई डर नेई
मोउं पता असा कि टोप जोरू बुरी बोक असी
मोउं पता असा कि से टोप में ना भो
तोउं त अउं तेस केसेरी धे ना देती तेस एपफ के रखता
मोटि मेछली जे टोप केसे कमे नेई
किस कि से तेस सुआ मठुड़ थी
से त मोउं सुसर एती
त हेरे त हेरे अऊ अब सुसर ठेई पुज गई
जेठी बुटे लमे त घंणे घंणे असे
मोउं पता थिआ कि अउं तेठी जेरूर पुज घेती
त मोउं केदी कोई हेर ना बठता।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एणे बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

लखे टके बोक

- मने उपाय मेहणु वश अन्तर भुन्ते, पर मुँहे बइ बोलुण परमेश्वरे कनारा भुन्तु।

- मेहणु अपु नजर अन्तर अपु चाल चलण हमेशा शुचा लगता, पर परमेश्वरे मन तोलता//हेरता।

- परमेश्वरे सोब चीज खास मकसदे लिए बड़ाओ असी, बल्कि दुष्ट मेहणु बि बिपताई भोगण जे बड़ाओ असा।

- जेन्के मन अन्तर घमण्ड असा परमेश्वर तेन्हि सोबि हेर नफरत कता, अउं पक्कु बोता कि ईं मेहणु नरदोष ना ठहेरींते।

- अधर्मे पछतवा दाह दया त सच्चई बेलि भुन्ता, त परमेश्वरे डर मनणे बेलि इन्सान बुराई करण केईया बच घेन्ता।